कवि परिचय

पद्मश्री **डॉ सुरेन्द्र दुबे** रायपुर के रहने वाले हैं एवं छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के पूर्व सचिव हैं। वह अपनी अनूठी हास्य व्यंग्य शैली के लिए एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्हें भारत सरकार के अति प्रतिष्ठित सम्मान पदमश्री से सन् २०१० में तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा सिंह पाटिल ने सम्मानित किया था। हाल ही में भारत के राष्ट्रपति महामहिम श्री रामनाथ कोविन्द ने भी उनकी काव्य साधना के लिए दुबे जी को सम्मानित किया गया है। उन्हें काका हाथरसी हास्य रत्न सम्मान, अट्टहास सम्मान, निराला श्री सम्मान और विक्रमादित्य सम्मान सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। किसी मंच पर उनका होना सफलता का पर्याय माना जाता है। उनकी कविताओं के द्वारा हमें वर्तमान समय का चित्र चलचित्र की भाँति चलता हुआ दिखाई देता है। सुरेंद्र दुबे जी की ८ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने अनेक टीवी चैनल्स और आकाशवाणी के लिए रचनाएं लिखी हैं। उनका लिखा उपन्यास छत्तीसगढ़ में पाठयक्रम में पढ़ाया जाता है। उन्होंने सैकड़ो टी वी कार्यक्रमों में अपनी प्रस्तुति दी है। यह उनकी अमेरिका की पांचवी काव्य यात्रा है। इसके अतिरिक्त डॉ सुरेंद्र दुबे कनाडा, दुबई, ओमान, यू ए ई, हांगकांग सहित अनेक देशो में काव्यपाठ कर चुके हैं।

श्री **महेंद्र अजनबी** पूर्व शिक्षाविद् एवं दिल्ली के रहने वाले हैं। वह हास्य व्यंग्य और अपनों विट के लिए भारत वर्ष में विशेष पहचान रखते हैं। उन्होंने अनेक राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक विषयों पर अद्भुत हास्य कविताओं का सृजन किया है। वह भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम शंकर दयाल शर्मा एवं पूर्व प्रधानमंत्री माननीय श्री अटल बिहारी वाजपई जी के द्वारा सम्मानित किए जा चुके हैं। उन्हें हास्य रस के अनेक प्रतिष्ठित सम्मान, यथा- काका हाथरसी सम्मान, ओमप्रकाश आदित्य सम्मान और दिल्ली हिंदी अकादमी सम्मान सहित अनेक सम्मानों से सम्मानित किया जा चुका है। 'हँसा हँसा के मारूँगा' उनकी लोकप्रिय कविताओं की प्रकाशित पुस्तक है। अपनी पिछले ३२ वर्ष की काव्य यात्रा में वह देश विदेश में २००० से अधिक कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ कर चुके हैं। महेंद्र अजनबी एक ऐसे लोकप्रिय हास्य-व्यंग्य कवि हैं जिन्होंने केवल भारत ही नहीं अपितु अनेक देशों में अपनी कविताओं से धूम मचाई है। यह उनकी अमेरिका की चौथी यात्रा है। इसके अतिरिक्त महेंद्र अजनबी जी कनाडा, यू के, हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैंड, इंडोनेशिया, यू ए ई ओमान और नेपाल सहित अनेक देशो में अपने काव्य की छठा कई बार बिखेर श्रोताओं का मनोरंजन कर चुकें हैं|

सुश्री **शबीना अदीब** इस समय भारत की सर्वाधिक चर्चित और प्रतिष्ठित शायरा हैं। आप कानपुर की रहने वाली हैं। उनके पास स्वर और शायरी का ऐसा संगम है, जिसने देश विदेश में रहने वाले करोड़ों श्रोताओं को प्रभावित किया है। अपनी अनूठी शायरी और उसे प्रस्तुत करने की विशेष कला के कारण पूरी दुनिया में उनकी अलग पहचान है। उनका तरन्नुम में कविता पढ़ने का अंदाज़ श्रोताओं को गिरफ़्त में ले लेता है। वह एक ऐसी कवियत्री हैं जिन्हें देश-विदेश में खास श्रोता भी सुनना चाहते हैं और एक आम भारतीय भी। लाल किले सहित भारत में अनेकों प्रतिष्ठित मुशायरों और कवि सम्मेलनों में कविता पाठ के अतिरिक्त वह दूरदर्शन और आकाशवाणी के साथ अनेक टीवी चैनल्स पर आपनी शायरी प्रस्तुत कर चुकी हैं। उन्हें अनेक संस्थाओ के द्वारा मल्लिका-ए-ग़ज़ल अवार्ड, पंजाब केसरी आवर्ड, कानपुर गौरव सम्मान सहित उत्तर प्रदेश सरकार के हिंदी-उर्दू साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। 'तुम मेरे पास रहो' और 'कसक' उनकी प्रकाशित पुस्तकें हैं। यह शबीना जी की दूसरी अमेरिका यात्रा है। आप इसके अतिरिक्त ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया, नेपाल, यू ए ई, ओमान, बहरीन, कुवैत और पाकिस्तान सहित अनेक देशो में काव्य पाठ कर चुकी हैं।